प्रगति-आख्या

2014-2019

काशी योग एवं मूल्य शिक्षा संस्था

आत्मनो मोक्षार्थं जगद्धिताय च

काशी योग एवं मूल्य-शिक्षा संस्था

(Kashi Institution of Yoga and Value-Education)

27, दीनदयाल नगर कालोनी, नवाबगंज

वाराणसी (उ0प्र0) 221010, मो0 : 09450872823

www.kashiyog.com

e-mail : kashiyogasansthan@gmail.com

संरक्षक

परमपूज्य कार्ष्णि स्वामी श्री गुरुशरणानन्द जी

महाराज (रमणरेती, मथुरा)

अध्य

डॉ0कमलशील मिश्र

उपाध्य

प्रो0 अजित नारायण त्रिपाठी

कोषाध्यक्ष

प्रो0 विभा त्रिपाठी

सचिव

डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार मिश्र

सदस्य

प्रो0 सुभाष चन्द्र लखोटिया

प्रो0 हरिशंकर सिंह

डॉ0 मारकन्डे राम पाठक

डॉ0 धर्मजंग

डॉ0 प्रमोद सिंह

स्वामी श्री ब्रज चैतन्य

श्री राजीव तिवारी

❖ संस्था के उद्देश्य एवं कार्य-

- शैक्षणिक उत्थान हेतु विभिन्न स्तरीय विद्यालयों की स्थापना कर सामान्य, व्यावसायिक एवं तकनीकी शिक्षा, शारीरिक एवं मूल्य-शिक्षा, योग, कला, संगीत, विज्ञान व चिकित्सा आदि से सम्बन्धित शिक्षा के विविध आयाम तैयार करना
- स्वास्थ्य सुधार हेतु रचनात्मक कार्यक्रम संचालित कर सामान्यजन के स्वास्थ्य की उन्नति एवं रोग निवारण हेतु स्वास्थ्य शिविर लगाना। योग एवं प्राकृतिक, आयुर्वेदिक चिकित्सा केन्द्रों का संचालन करना
- समाज के निर्बल एवं उपेक्षित जन समुदाय को आर्थिक सहयोग एवं जीविकोपार्जन के कार्यक्रमों से जोड़ना
- बाल कल्याण एवं महिला कल्याण कार्यक्रम संचालित करना
- ग्रामीण एवं शहरी विकास कार्यक्रम संचालित करना
- साधनहीन विद्यार्थियों को शिक्षा हेतु साधन उपलब्ध कराना
- मूल्य-शिक्षकों के निर्माण एवं मूल्य-शिक्षा के प्रसार व मूल्य-शिक्षा सम्बन्धी अध्ययन एवं शोधकार्य हेतु प्रशिक्षण केन्द्र शोध केन्द्र, पुस्तकालय, वाचनालय संचालित करना
- आकस्मिक आपदाओं के समय जन सामान्यके सहायतार्थ कार्यक्रम संचालित करना
- पर्यावरण एवं जैविक-आयुर्वेदिक कृषि हेतु विभिन्नकार्यक्रम संचालित करना
- विभिन्न व्यक्तियों, संस्थाओं के मध्यसामुदायिक व रचनात्मक सम्बन्ध स्थापित करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित करना

❖ मुख्य गतिविधियाँ-

- आचार्य कमलाकर मिश्र उद्यमिता पीठ का संचालन करना
- ग्राम संवाद एवं ग्राम विकास कार्यक्रमों का संचालन करना
- स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरुकता शिविरों का आयोजन करना
- योग एवं मैत्री ध्यान केन्द्रों का संचालन करना
- गरीब एवं पिछड़े परिवार के बच्चों के शैक्षणिक विकास में सहयोग प्रदान करना
- देशी गाय एवं प्राकृतिक कृषि संवर्द्धन हेतु गौ आधारित कृषि व्यवस्था का संचालन करना
- माँ अन्नपूर्णा किसान बीज बैंक का संचालन करना
- पारिस्थितिकीय संतुलन एवं पर्यावरण तथा जल संरक्षण हेतु विभिन्नचनात्मक कार्यक्रमों का संचालन करना

❖ योग एवं ध्यान शिविर

संस्था अपने मूल उद्देश्य के अनुसार विद्यालयों एवं पार्कों, विभिन्न आश्रमों में योग एवं मैत्री ध्यान शिविरों का आयोजन करती रही है।

संस्था द्वारा वर्ष 2015-2016 में 21 जून योग दिवस पर वाराणसी, महोबा में विभिन्न वर्ग के सदस्यों के लिए योग-शिविर आयोजित किए गये।

स्वामी शान्तानन्द सरस्वती विद्या मंदिर उ0मा0 विद्यालय, काकुन (महोबा) में भी संस्था के योग-प्रशिक्षक योगाचार्य इंदल द्वारा स्कूल के अध्यापकों, विद्यार्थियों तथा ग्रामवासियों के लिए योग-ध्यान प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें स्कूल के 200 विद्यार्थी, 15 अध्यापक एवं 30 ग्रामवासियों ने भाग लिया।

ऐसे ही कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम डॉ0 आनन्द कर्ण द्वारा भी आयोजित किए गये।

❖ ग्राम संवाद एवं ग्राम विकास संगोष्ठियों का आयोजन

(अ) ग्राम संसद

संस्था द्वारा अपने ग्रामीण ज्ञान केन्द्र के माध्यम से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के जिला-महोबा (उ0प्र0) के विभिन्न गाँवों के ग्राम-प्रधानों, ग्राम पंचायत सदस्यों, कृषि विशेषज्ञों, समाजसेवियों के साथ 'ग्राम संवाद का आयोजन किया गया। इस ग्राम संसद में लगभग 200 किसानों, ग्राम प्रधानों, सदस्यों, समाजसेवियों ने भाग लिया। ग्राम संसद में परिचर्चा हेतु रखे गये प्रमुख विषय इस प्रकार थे

1- बढ़ते तापमान, जल संकट एवं पर्यावरण असन्तुलन को दूर करने के उपाय
2- देशी गौवंश के संरक्षण एवं संवर्द्धन के उपाय
3- गरीबी, कुपोषण तथा रोजगार की समस्या एवं समाधान

(ब) माँ अन्नपूर्णा किसान बीज बैंक की स्थापना

संस्था के सहयोग से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के ग्राम-काकुन, तहसील-चरखारी, जिला-महोबा (उ0प्र0) में एक किसान बीज बैंक की स्थापना की गयी।

इस बीज बैंक में ग्राम-काकुन, नटर्रा, कीरतपुरा, बैहारी, सिजौरा, पाठा, रिहुनिया आदि ग्राम के लगभग 100 किसानों ने खाता खुलवाकर उन्नत किस्म में बीज प्राप्त किये।

इस बीज बैंक की स्थापना का प्रमुख उद्देश्य गरीब किसानों को कृषि तकनीकि ज्ञान, उन्नत बीज तथा कृषि सम्बन्धी अनेक सुविधायें प्रदान कर उनके जीवन स्तर को ऊँचा उठाना है। वर्ष 2015 से यह बीज बैंक निरन्तर कार्य कर रहा है।

• विभिन्न बौद्धिक, सामाजिक, धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों व संगोष्ठियों का आयोजन

संस्था समय-समय पर विभिन्न विषयों पर अनेक विद्वानों के सहयोग से संगोष्ठियों एवं परिचर्चाओं का आयोजन करती रहती है।

संस्था द्वारा वर्ष 2014, 2015, 2016, 2017, 2018 में विभिन्न विषयों पर ऐसी ही संगोष्ठियाँ एवं परिचर्चाएँ आयोजित की गयीं। जिनका विवरण इस प्रकार है-

- **संगोष्ठी का विषय- बुन्देलखण्ड का अभिशाप : त्रिकुपोषण की समस्या एवं समाधान**
- **दिनांक** – 27, 28 अक्टूबर 2017
- **स्थान** – ग्राम-काकुन, तहसील चरखारी, जिला-महोबा (उ0प्र0)
- **प्रमुख वक्ता एवं उपस्थित प्रतिभागी-**
  1- आचार्य बीरेन्द्र कुमार दूबे – पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
  2- आचार्य के0एम0 पाण्डेय,कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
  3- आचार्यविनोद कुमार मिश्र, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
  4- आचार्य जे0पी0 श्रीवास्तव, पूर्व विभागाध्यक्ष, कृषि विभाग, कुलभाष्कर डिग्री कालेज, इलाहाबाद
  5- डॉ0 एम0पी0 सिंह, कृषि वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, इलाहाबाद
  6- डॉ0 मारकन्डेराम पाठक, संयुक्तकुलसचिव, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
  7- डॉ0 अल्का सेठ, अमेरिका
  8- श्री ज्ञान पाण्डेय, लखनऊ
  9- श्रीमती ममता केशरी, वाराणसी
  10- श्री तारा पाटकर, समाजसेवी, महोबा
  11- श्री कौशलेश पाठक, समाजसेवी, सोनभद्र
  12- डॉ0 धर्मजंग, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

उपर्युक्त विद्वानों के साथ-साथ विभिन्न गाँवों के पूर्व-प्रधान, वर्तमान प्रधानों, समाजसेवियों, कृषक बन्धुओं, विद्यालय के अध्यापकगणों, विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से त्रिकुपोषण (गौ माता, बालिका माता, भू माता) की समस्या पर गहनता से चर्चा की गयी।

संगोष्ठी में उपस्थित विद्वानों के आर्थिक-वैचारिक सहयोग से श्रीकृष्ण गौसेवा मंदिर की स्थापना की गयी।

• श्री कृष्ण गौ सेवा मंदिर का उद्घाटन एवं गौ आधारित कृषि व्यवस्था का शुभारम्भ

संस्था के सहयोग से ग्राम-काकुन, तहसील-चारखारी, जिला-महोबा (उ0प्र0) में श्री कृष्ण गौसेवा मंदिर की स्थापना की गयी, जिसका उद्घाटन परमपूज्य कार्ष्णिपीठाधीश्वर स्वामी श्री गुरुशरणानन्द जी महाराज, रमणरेती (महावन) मथुरा के कर-कमलों द्वारा हुआ। उद्घाटन के अवसर पर विभिन्न शहरों, कस्बों एवं गाँवों के लगभग 2000 लोगों ने भाग लिया। पूज्य महाराज जी द्वारा गौमाता की महिमा तथा जीवन का उद्देश्य, समाज-देश, प्रकृति एवं प्राणिमात्र के कल्याण की भावना हेतु ज्ञान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के बाद भण्डारे का भी आयोजन किया गया।

वर्ष 2018 में आयोजित संगोष्ठी का विवरण

(1) विषय : महिलाओं के कुपोषण की समस्या एवं समाधान

दिनांक: 21 अक्टूबर 2018

प्रमुख वक्ता : 1- डॉ0 फरीदा अहमद, सहायक आचार्य, गृह विज्ञान विभाग, केन्द्रीय इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

2- श्रीमती प्रमिला दूबे समाजसेविका, वाराणसी

इस संगोष्ठी में डॉ0 फरीदा अहमद ने महिलाओं के कुपोषण, विभिन्न तरह की बीमारियों के कारण उनके रोकथाम के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। संगोष्ठी में स्वामी शान्तानन्द सरस्वती विद्या मंदिर उ0मा0 विद्यालय की महिला अध्यापिकाओं के साथसाथ 40 बालिकाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा ने भी भाग लिया

(2) विषय : बुन्देलखण्ड की कृषि सम्बन्धी चुनौतियाँ एवं समाधान

दिनांक :21 अक्टूबर 2018

प्रमुख वक्तागण : 1- आचार्य वीरेन्द्र कुमार दूबे पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रसार शिक्षा, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

2- श्री पद्मजंग,डिप्टी चीफ ऑडीटर, उ0प्र0 शासन

3- श्री राकेश गुप्ता, वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी, लखनऊ

4- डॉ0 बी0 जगदीश राव, निदेशक, काशी योग एवं मूल्य शिक्षा संस्था, वाराणसी

5- श्री सबिस्टन, तकनीकि विशेषज्ञ, फ्रांस

उपर्युक्त विद्वानों के साथ-साथ 30 कृषक बन्धुओं ने भी भाग लिया। सभी विद्वानों ने बदलती जलवायु कृषि एवं गौवंश के बाँझपन, मजदूरों एवं लघु किसानों का गाँव से पलायन आदि विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। संगोष्ठी के बाद सभी किसानों को फलदार तथा नीम वृक्ष भेंट किए गये।

• आचार्य कमलाकर मिश्र उद्यमिता पीठ की स्थापना

संस्था ने अपने संस्थापक स्व0 आचार्य श्री कमलाकर मिश्र जी की स्मृति में ग्राम-काकुन (बुन्देलखण्ड) एक उद्यमिता पीठ की स्थापना की है।

उद्यमिता पीठ के माध्यम से गाँवों के युवाओं-युवतियों तथा स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के अन्दर कौशल विकास तथा स्वावलम्बन की भावना का विकास करना है। आज शिक्षित बेरोजगारों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। जिसका निदान उद्यमिता पीठ के माध्यम से रोजगारपरक शिक्षा प्रदान कर खोजा जा सकता है।

उद्यमिता पीठ का उद्घाटन फ्रांस से पधारे श्री सबिस्टन, आचार्य वीरेन्द्र कुमार दूबे श्री पद्मजंग, डॉ0 फरीदा अहमद, डॉ0 बी0 जगदीश राव जी के कर-कमलों द्वारा हुआ।

उद्यमिता पीठ के माध्यम से निम्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं-

1- बागवानी एवं पर्यावरणीय शिक्षा
2- कृषि कार्य एवं खाद्य प्रसंस्करण
3- सिलाई, कढ़ाई, बुनाईएवं सूत उत्पादन
4- कम्प्यूटर एवं भाषा ज्ञान
5- शारीरिक एवं मानसिक विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण

उपर्युक्त पाँचों पाठ्यक्रमों में लगभग 40 बालिकाओं ने प्रवेश सुनिश्चित किया है।

• वृक्षारोपण एवं वर्षा जल संरक्षण

संस्था ने बिगड़ते पर्यावरण एवं गहराते जल संकट की समस्या के समाधान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हुए वर्ष 2015 से 2019 तक बुन्देलखण्ड क्षेत्र में बृहद वृक्षारोपण एवं जल संचयन के लिए अनेक प्रयास किए।

संस्था ने अपने प्रयास से अब तक 5 हजार पौधों का रोपण तथा 10 जलकुण्डों का निर्माण कराया। इसके परिणाम स्वरूप भूस्तरीय जल स्तर में बढ़ोत्तरी के साथ-साथ 50 बीघे खेती योग्य जमीन की सिंचाई सम्भव हो सकी।

संस्था द्वारा रोपित किए गये फलदार वृक्षों से आंवला, अमरूद, नीबू, करौंदा आदि की फसल प्राप्त होने लगी है। संस्था ने वर्ष 2018 में अपने आंवले के बाग से आंवला संगृहीत करके गौसेवा मंदिर में रहने वाली देशी गायों के दुग्धसे निर्मित घी के प्रयोग द्वारा 120 किग्रा0 उच्च स्तर का च्यवनप्राश निर्मित किया, जिसे लोगों ने बहुत पसन्द किया।

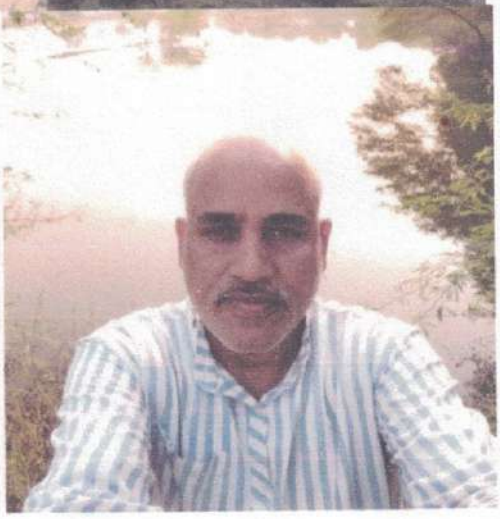

• गरीब एवं पिछड़े परिवार के बच्चों के शैक्षिक विकास हेतु विभिन्न कार्यक्रम

संस्था द्वारा समय-समय पर गरीब एवं पिछड़े परिवारों के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं दक्षता हेतु विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं। वर्ष 2015, 2016, 2017, 2018, 2019 में लगभग

100 बालक-बालिकाओं के शैक्षणिक विकास हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। साथ ही बालिकाओं के कुपोषण मुक्ति हेतु उनका स्वास्थ्य परीक्षण, उनके लिए देशी गाय के दूध की व्यवस्था भी की गयी।

❖ प्रकाशन

संस्था द्वारा अपने पंजीकृत उद्देश्यों के अनुसार समय-समय पर योग, ध्यान एवं मूल्यशिक्षा, पर्यावरण आदि विषयों पर आधारित पुस्तकों का प्रकाशन किया जाता है। वर्ष 2016 में संस्था द्वारा आचार्य कमलाकर मिश्र जी द्वारा लिखित पुस्तक "Indian Values for Success in Practical Life" का प्रकाशन किया गया।